

संकट | By Avdesh Sawan

बालाजी संकट काटे जी, बालाजी संकट काटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

मेहंदीपुर दरबार में आके जो भी अर्जि लावे
मेरा बाबा घाटे आला सबके संकट दूर भगवे
किसी ने कोन्या नाटे जी, किसी ने कोन्या नाटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

बाबा समाधी आले के भी भगत लगावे फेरी
प्रेतराज सरकार के संग भैरव की लगे कचेहरी
जो इसके पर्वे छाटे जी जो सबके पर्वे छाटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

भीमसेन मत फिकर करे तेरा भी नंबर आवे
जब लगे आरती का छीटा तेरा सारा रोग कट जावे
हाँ क्यूँ ना दिल में डाटे जी, हाँ क्यूँ ना दिल में डाटे जी,
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-by-avdesh-sawan/>